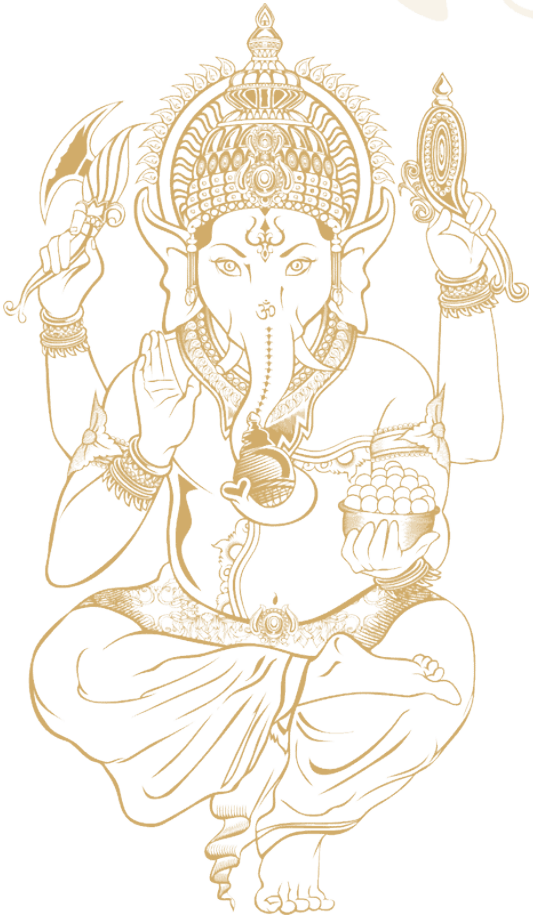

Mr.Rajeev ranjan

23 Sep 1986

08:00 PM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121179705

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/09/1986**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**20:00:00 घंटे**
इष्ट	35:54:54 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:10:48 घंटे
वेलान्तर	00:07:27 घंटे
साम्पातिक काल	20:19:23 घंटे
सूर्योदय	05:38:02 घंटे
सूर्यास्त	17:45:01 घंटे
दिनमान	12:06:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	06:35:46 कन्या
लग्न के अंश	21:47:28 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वज्र
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ए-एकलव्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	21:47:28	426:57:53	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			कन्या	06:35:46	00:58:44	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	सम राशि
चंद्र			वृष	08:57:55	11:58:20	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			धनु	28:33:05	00:27:23	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
बुध		अ	कन्या	20:31:17	01:35:55	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
गुरु	व		कुंभ	22:32:16	00:07:29	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
शुक्र			तुला	18:45:08	00:38:31	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि			वृश्चि	11:09:02	00:04:16	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
राहु			मीन	27:20:02	00:01:25	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
केतु			कन्या	27:20:02	00:01:25	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	24:59:33	00:01:21	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
नेप			धनु	09:23:25	00:00:17	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	12:11:05	00:02:04	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
दशम भाव			मक	08:53:43	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:11

लग्न-चलित

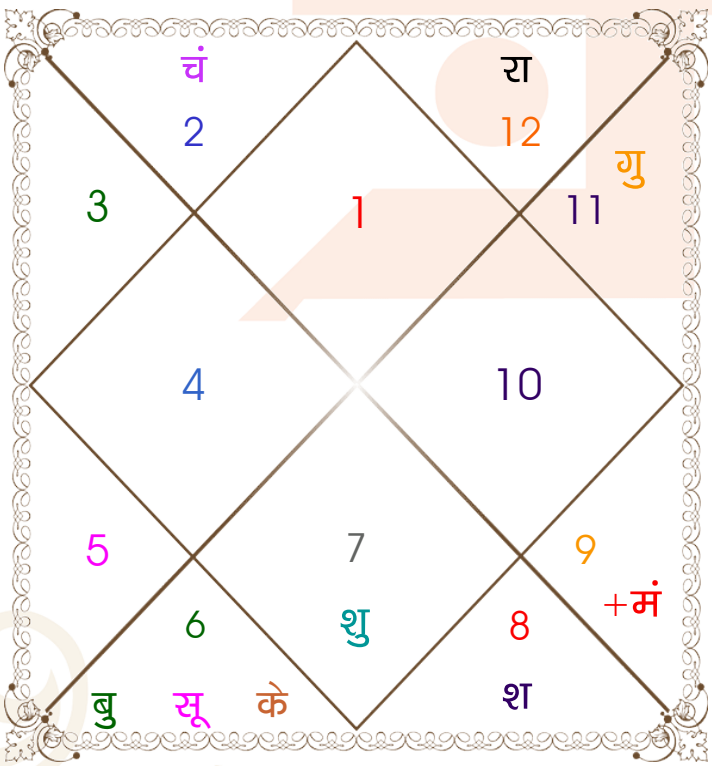

चन्द्र कुंडली

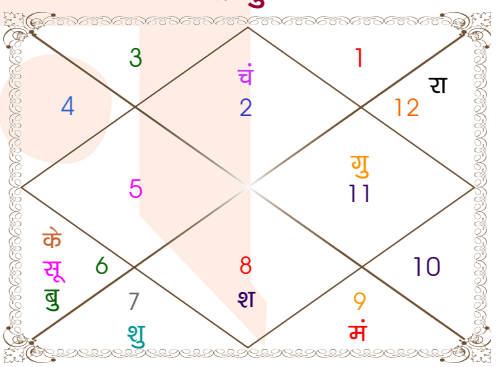

नवमांश कुंडली

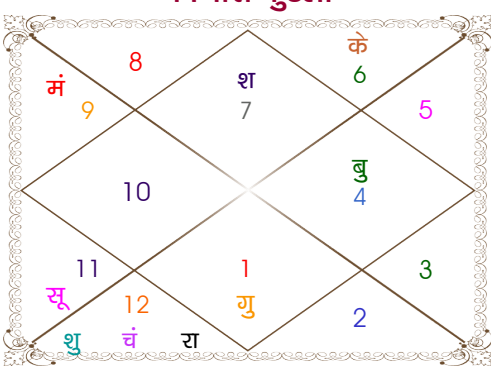

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 5 मास 17 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
23/09/1986		12/03/1987		12/03/1997		12/03/2004		12/03/2022	
12/03/1987		12/03/1997		12/03/2004		12/03/2022		12/03/2038	
	00/00/0000	चंद्र	11/01/1988	मंगल	08/08/1997	राहु	23/11/2006	गुरु	29/04/2024
	00/00/0000	मंगल	11/08/1988	राहु	27/08/1998	गुरु	17/04/2009	शनि	11/11/2026
	00/00/0000	राहु	10/02/1990	गुरु	02/08/1999	शनि	22/02/2012	बुध	16/02/2029
	00/00/0000	गुरु	12/06/1991	शनि	10/09/2000	बुध	11/09/2014	केतु	22/01/2030
	00/00/0000	शनि	10/01/1993	बुध	07/09/2001	केतु	29/09/2015	शुक्र	22/09/2032
	00/00/0000	बुध	11/06/1994	केतु	04/02/2002	शुक्र	29/09/2018	सूर्य	12/07/2033
	00/00/0000	केतु	11/01/1995	शुक्र	06/04/2003	सूर्य	24/08/2019	चंद्र	11/11/2034
	23/09/1986	शुक्र	10/09/1996	सूर्य	12/08/2003	चंद्र	22/02/2021	मंगल	18/10/2035
शुक्र	12/03/1987	सूर्य	12/03/1997	चंद्र	12/03/2004	मंगल	12/03/2022	राहु	12/03/2038

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
12/03/2038		12/03/2057		12/03/2074		12/03/2081		13/03/2101	
12/03/2057		12/03/2074		12/03/2081		13/03/2101		24/09/2106	
शनि	15/03/2041	बुध	09/08/2059	केतु	08/08/2074	शुक्र	11/07/2084	सूर्य	30/06/2101
बुध	23/11/2043	केतु	05/08/2060	शुक्र	08/10/2075	सूर्य	12/07/2085	चंद्र	30/12/2101
केतु	01/01/2045	शुक्र	06/06/2063	सूर्य	13/02/2076	चंद्र	12/03/2087	मंगल	07/05/2102
शुक्र	03/03/2048	सूर्य	11/04/2064	चंद्र	13/09/2076	मंगल	12/05/2088	राहु	01/04/2103
सूर्य	12/02/2049	चंद्र	11/09/2065	मंगल	09/02/2077	राहु	12/05/2091	गुरु	18/01/2104
चंद्र	14/09/2050	मंगल	08/09/2066	राहु	28/02/2078	गुरु	10/01/2094	शनि	30/12/2104
मंगल	24/10/2051	राहु	27/03/2069	गुरु	04/02/2079	शनि	12/03/2097	बुध	05/11/2105
राहु	30/08/2054	गुरु	03/07/2071	शनि	15/03/2080	बुध	11/01/2100	केतु	13/03/2106
गुरु	12/03/2057	शनि	12/03/2074	बुध	12/03/2081	केतु	13/03/2101	शुक्र	24/09/2106

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 5 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते है। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नही करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।